1

Jai Ram Singh.
Deptt of Psychology
Mahila College Dalmianagar
Dehri

Paper - V

Social Psychology

FUNCTIONS OF LEADERSHIP

नेतृत्व के कार्य

नेता अपना समूह का प्रधान व्यक्ति होता है जो अपने समूह के लिए भिन्न-भिन्न तरह के कार्यों को करता है। किसी भी समूह में नेता के कौन-कौन से कार्य होते हैं यह प्रश्न बात पर निर्भर करता है कि समूह के सामने मुख्य समस्याएँ कौन-कौन से है जिसका समाधान उसे करना है। KRETCH & CRUTCHFIELD & Ballachey 1962 ने नेता के कुछ प्रमुख कार्यों का वर्णन किया है जो निम्नलिखित है

(1) कार्यपालक के रूप में नेता → नेता अपने समूह में कार्यपालक का काम करता है वह समूह के भिन्न-भिन्न कार्यों को अपने सदस्यों के बीच बाँट देता है तथा कुछ कार्यों को वह अपने अधीन रखता है प्रजातांत्रिक नेता कार्यों के बँटवारे में सदस्यों से सलाह लेता है तथा ~~उसके~~ उनके सुझावों को मानता है लेकिन सत्तावादी नेता के लिए यह जरूरी नहीं है

(2) योजना निर्माता के रूप में नेता → नेता अपने समूह में योजना निर्माण का भी कार्य करता है वह अपने समूह के उद्देश्यों को निर्धारित करता है और उन उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त करने के लिए उसके अनुकूल योजनाएँ बनाता है

(2)

समूह के उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त करने के लिए कौन-कौन से ... कार्य किये जाय और कैसे और कब किया जाय इन सारी बातों का निर्धारण नेता करता है

(3) नीति निर्माता के रूप में नेता - नेता अपने समूह के नीतियों का निर्माता होता है। वह समूह में दो प्रकार के नीतियों का निर्माण करता है पहला आंतरिक नीति और दुसरा वाह्य नीति। ये दोनों प्रकार की नीतियाँ तीन स्रोतों से बनता है (i) कभी-कभी खीचे नेता नीति बनाकर अधीनस्थ नेताओं एवं सदस्यों को दे देते हैं (ii) कभी-कभी समूह में नीति का निर्धारण सदस्यों के सामूहिक निर्णय के अनुसार होता है (iii) जब नेता को नीति निर्माण करने की पूरी स्वतंत्रता होती है तो वह स्वयं ही नीति का निर्माण कर लेते हैं

(4) विशेषज्ञ के रूप में नेता → नेता अपने समूह के लिए विशेषज्ञ का कार्य करता है तथा परामर्श देता है। समूह के सदस्यों में ऐसा विश्वास होता है कि नेता को अपने समूह की समस्याओं के बारे में उच्चतम तकनीकी ज्ञान रहता है यह विश्वास सदस्यों में जितना अधिक होता है नेता की शक्ति भी उतने ही अधिक होती है

(5) समूह प्रतिनिधि के रूप में नेता → नेता अपने समूह का प्रतिनिधित्व का भी कार्य करता है प्रत्येक समूहों का सम्बन्ध दूसरे समूहों के

11:18 am

होता है। इससे समूह का नेता ही निर्धारित करता है। एक समूह का सम्बन्ध दूसरे समूह के साथ कैसा होगा इसे नेता ही निर्धारित करता है।

(6) **आंतरिक सम्बन्धों के नियंत्रण के रूप में नेता** → नेता अपने समूह के सदस्यों के आपसी सम्बन्धों को निर्धारित तथा नियंत्रित करता है। वह अपने सदस्यों के बीच अच्छे सम्बन्ध बनाने का प्रयास करता है। यह कार्य प्रजातांत्रिक नेता नेतृत्व में अधिक प्रधान होता है सत्तावादी नेतृत्व में यह कार्य गौण होता है

(7) **पुरस्कार तथा दण्ड देने का कार्य** → किसी भी समूह में अनेक सदस्य होते हैं। समूह के उद्देश्य प्राप्ति के लिए उस समूह का नेता अपने समूह के सदस्यों को कार्यभार देता है जिस कार्य को करने के क्रम में समूह के सदस्यों को अपने समूह के नियमों और आदर्शों का पालन करना होता है यदि समूह का कोई सदस्य अपने कार्यों के सम्पादन के क्रम में इन आदर्शों का पालन करता है जो समूह के प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है तो नेता उसे पुरस्कार देता है लेकिन ठीक उसके विपरीत अगर कोई सदस्य अपने समूह के नियमों और आदर्शों का पालन नहीं करता है तो नेता ऐसी स्थिति में उसे दण्ड देने का कार्य करता है

(8) **पंच तथा मध्यस्थ के रूप में नेता** → नेता अपने समूह में पंच तथा मध्यस्थता का का

11:18 am

(4)

करता है। कभी-कभी समूह के सदस्यों के बीच आपस में मनमुटाव या संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो जाती है तो ऐसी परिस्थिति में नेता एक पंच के रूप में तथा मध्यस्थ के रूप में कार्य कर सदस्यों के बीच के आपसी मतभेद को खत्म करने का कार्य करता है।

(9) आदर्श के रूप में नेता → नेता समूह के सदस्यों के लिए आदर्श या मॉडल के रूप में कार्य करता है। वह अपने समूह के आदर्शों पर खरा-खरा अमल करता है अतः वह अपने समूह के लिए एक उदाहरण के रूप में कार्य करता है।

(10) समूह के प्रतीक के रूप में नेता → नेता अपने समूह का प्रतीक होता है किसी भी समूह को उसके नेता के माध्यम से ही पहचाना जाता है प्रतीक के रूप में नेता ही समूह को संगठित करता है और सदस्यों के बीच एकता कायम रखता है यह कार्य प्रजातांत्रिक समूह में अधिक प्रधान होता है।

(11) सिद्धांतवादी के रूप में नेता → नेता अपने समूह में सिद्धांतवादी का काम करता है। प्रत्येक समूह का एक विशेष सिद्धांत होता है वह अपने समूह के मूल्यों प्रतिमानों तथा विश्वासों के अनुकूल व्यवहार करता है और अन्य सदस्यों को भी इसकी प्रेरणा देता है जिसका प्रभाव समूह के अन्य सदस्यों पर पड़ता है

classmate
Date
Page

(12) पिता तुल्य के रूप में नेता → नेता अपने समूह में पिता के समान भूमिका निभाता है। संवेगात्मक भूमिका के दृष्टिकोण से जो स्थान पिता का परिवार में होता है वही स्थान नेता का समूह में होता है। समूह के सदस्यों के साकारात्मक संवेगात्मक भावों के लिए नेता एक केन्द्र का काम करता है।

(13) बलि के बकरे के रूप में नेता → कभी-कभी नेता अपने समूह में बलि के बकरे के रूप में काम करता है। जिसका अर्थ यह होता है कि जब समूह अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल नहीं होता है तो इसकी पूरी जिम्मेवारी नेता पर आ जाता है और उसकी निन्दा की जाती है जिससे समूह के सदस्यों में निराशा होती है तो वे नेता के प्रति आक्रमणशील व्यवहार करने लगते हैं। ऐसी स्थिति में नेता को पद से हट जाना पड़ता है।

नेता के कार्यों के स्वरूप में वर्णित उपरोक्त बातों के आधार पर हम निष्कर्ष के रूप में कह सकते हैं कि नेता अपने समूह के भिन्न-भिन्न कार्यों का सम्पादन करता है।

—x—